Annual Report

2024-25

DARPAN COMMUNICATION SOCIETY

Darpan Communication Society, Jind was established in 2011 with the aim to promote value based education and inculcate social and moral values among the future teachers for the benefit of rural and under privileged population in the surrounding areas. The Society runs various awareness programmes like Computer Education, all Rehabilitation services, Paramedical and Health services, Gender Campaign 'Beti Bachao, Beti Padhao' etc. To fulfill its social obligation, the Society start a Special School at Jind since 2012 to train disabled children of nearby villages & guide their parents regarding the special needs of these disabled children. The management of the Society will provide necessary funds required for the start the Special school and in providing necessary facilities to the disabled students. No fees of any kind is charged from the disabled children's (Mentally Retarded, Cerebral Palsy, Autism, Hearing Impairment, Deaf & Dumb & Multiple Disability) enrolled in Special School.

Darpan Rehabilitation & Research Centre, Jind :

A Special School for education given to Intellectual Disabilities, Cerebral Palsy, Mentally Retarded, Autism, Hearing Impairment and other disabled children's.

Objectives of Society :

- To develop among CWSN a sense of social and civic responsibility.
- To understand the community/ disabled people needs and requirement.
- To understand themselves in relation to their community.
- To identify the problems of the community and involve them in problem solving process.

Survey for identify CWSN :

Society members conducted surveys to identify disabled children's with Cerebral Palsy, Autism, Mental Retardation, Hearing impairment & Multiple disability etc. under the guidance of Special Educator.Survey was conducted from 1 April to 30 April 2025 in villages Gatoli , Igrah , Ramgarh and nearby colonies, Vikas Nagar, Budha Baba basti, Rohtak Road.

Total 12 disabled childrens's were identified out of which 7 children's were successfully admitted in special school.

Academic Activities:

During the year the institute adopted a number of methodologies and activities to impart quality education to students. Some of the activities are *Group Teaching, Rehabilitation Projects, Community Meetings, Medical Camps, Disability Awareness Programmes, Assessments of Special Children, I.E.P., Behavior Modification, Observations.*

Celebration of Festivals :

Co-Curricular activities are the essential part of organization as its helps to gain social knowledge & confidence with improvement in verbal & presentation skills. Some of the co-curricular activities National Day Celebrations like *Independence Day, Republic Day and other Festival Celebrations.*

Activities performed by Society

a) Co-Curricular Activities:

Co-Curricular activities are the essential part of Society as its helps to gain social knowledge & confidence with improvement in verbal & presentation skills. Some of the co-curricular activities National Day Celebrations like *independence day, Republic Day, Diwali, Holi and other festival Celebrations.*

b) Community Service Programmes

Darpan Communication Society, Jind aims to inculcate social welfare in students, and to provide service to society without bias. It works to ensure that disabled gets help to enhance their standard of living and lead a life of dignity. It is a mutual learning process in which students-disabled learn to lead a good life. During this academic year, the society conduct Many community promotional activities Some of the activities are as under:-

c) R.C.I. Approved CRE's :

1. During this academic year, the society successfully conducted a **R.C.I. New Delhi approved** Zonal level CRE Programme of Titled ; **NEP 2020 & SPECIAL EDUCATION** of three days from **13th to 15th June 2025.**
2. During this academic year, the society successfully conducted a **R.C.I. New Delhi approved** Zonal level CRE Programme of Titled ; **ADULTHOOD AND FAMILY ISSUES OF PERSONS WITH INTELLECTUAL DISABILITY** of three days from **03-10-2025 to 05-10-2025.**

Activities performed during session 2024-25

विश्व ऑटिज्म दिवस पर पोस्टर्स से इस दिव्यांगता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। (02 अप्रैल 2024)

दर्पण संस्था के दिव्यांग बच्चों द्वारा रंगों के साथ होली का पर्व मनाया गया। (22 मार्च 2024)

दर्पण संस्था में दिव्यांग बच्चों को प्रतिदिन अलग–अलग तरह से प्रशिक्षण दिया जाता है।

दर्पण संस्था के दिव्यांग बच्चों ने बसंत पंचमी पर भ्रमण किया और इस पर्व का महत्व जाना। (14 अप्रैल 2024)

दिव्यांग बच्चों ने संसदीय चुनाव में दिव्यांगजनों से मतदान करने का आहवान किया। (01 मई 2024)

दर्पण संस्था ने संसदीय चुनावों में दिव्यांगजनों को मतदान के लिए जागरूकता रैली निकाली। (21 मई 2024)

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने प्रदर्शनी लगाई जिसमें विभिन्न प्रकार के फलैग आदि का प्रदर्शन किया। (13 अगस्त 2024)

दिव्यांग बच्चों ने जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया और श्रीकृष्ण के जीवन के बारे में जाना। (26 अगस्त 2024)

दर्पण संस्था सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों के साथ शिक्षक दिवस मनाया और उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया। (05 सितंबर 2024)

01.10.2024

दर्पण संस्था सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों के साथ जागरूकता रैली से हरियाणा विधानसभा चुनावों में दिव्यांगजनों को मतदान के लिए प्रेरित किया।

(01अक्तूबर 2024)

02.10.2024

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के के जन्मदिवस पर दर्पण संस्था सदस्यों और दिव्यांग बच्चों ने स्वच्छता के लिए सफाई अभियान चलाया।

(02 अक्तूबर 2024)

'अंतरराष्ट्रीय सेरेब्रल पाल्सी दिवस' पर दर्पण संस्था द्वारा आयोजित स्पेशल लेक्चर में साइक्लोजिस्ट ने दिव्यांग बच्चों और उनके परिजनों को जानकारी दी। इस विषय पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। (06 अक्तुबर 2024)

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर दर्पण के सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों व उनके परिजनों को मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने के लक्षणों के प्रति जागरूक किया। सभी दिव्यांगताओं के बारे में जानकारी दी। (10 अक्तूबर 2024)

भारत विकास परिषद् वीर शाखा जीन्द द्वारा आयोजित समूहगान प्रतियोगिता में दर्पण संस्था के दिव्यांग बच्चे अव्वल रहे। परिषद् के सदस्यों द्वारा इन दिव्यांग बच्चों को सम्मानित किया गया। (11 अक्तूबर 2024)

दर्पण संस्था के दिव्यांग बच्चों ने स्वयं द्वारा निर्मित उत्पादों मोमबत्तियां, मिट्टी के दियों और अन्य सजावटी सामान की प्रदर्शनी लगाकर दीपावली पर्व में अपनी सहभागिता से सबको अपनी कला और शिल्पकारी का नमूना पेश किया। शिक्षकों और अन्य लोगों ने उनके उत्पादों की खरीदारी की। दिव्यांग बच्चों ने दीपावली की रंगोली बनाकर सबका मन मोह लिया। (29 अक्तूबर 2024)

दर्पण संस्था के दिव्यांग बच्चों के लिए हर माह के द्वितीय शनिवार को पी.टी.एम का आयोजन किया जाता है। इसमें दिव्यांग बच्चों के परिजनों से उनके पुर्नवास के संबंध में विचार–विमर्श किया जाता है।

दर्पण संस्था द्वारा दिव्यांगजों के लिए 11 से 13 नवंबर 2024 तक तीन दिवसीय दिव्यांग जांच एवं यूडीआईडी शिविर लगाया और इसमें लगभग 90 दिव्यांगजन शामिल हुए और उनकी जांच व संहायता की गई। (नवंबर 2024)

विश्व विकलांगता दिवस पर दर्पण के सदस्यों ने दिव्यांग बच्चों व शिक्षकों ने रैली निकालकर लोगों को सभी दिव्यांगताओं के बारे में जागरूक किया। (03 दिसंबर 2024)

गीता जयंती महोत्सव के दौरान दर्पण स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने शैक्षणिक भ्रमण किया और उन्हें गीता के ज्ञान के बारे में बताया गया। (10 दिसंबर 2024)

वीर बाल दिवस पर दर्पण स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने प्रतियोगिता के दौरान अपनी पेंटिंग और पोस्टरों के माध्यम से साहिबजादों को श्रद्धांजलि दी। (26 दिसंबर 2024)

भारत विकास परिषद् वीर शाखा जीन्द द्वारा आयोजित समूहगान प्रतियोगिता में दर्पण संस्था के दिव्यांग बच्चे अव्वल रहे। परिषद् के सदस्यों द्वारा इन दिव्यांग बच्चों को सम्मानित किया गया। (08 अप्रैल 2025)

जागरूकता | 25 मई को शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान

सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो...

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। दर्पण सोसायटी के स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर के दिव्यांग बच्चों और शिक्षकों ने 25 मई को शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया।

दिव्यांगों को मेरा वोट, मेरी पहचान, सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो, मतदान मेरा अधिकार का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने पोस्टरों के माध्यम से मतदान का महत्व समझाया। निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि दिव्यांगों को मतदान कराने के लिए प्रशासन द्वारा कई तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर भगवान राणा, आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, देवेंद्र अहलावत, दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतू, अंसुल, रितेश, डॉ. हरजीत, डॉ. विपुल, भारती आदि मौजूद रहे। संवाद

मतदान के प्रति जागरूक करते दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर के बच्चे। स्रोत : संस्था

Date : 01.05.2024

दिव्यांगों को किया मतदान करने का आह्वान

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को भिवानी रोड पर दर्पण सोसायटी के स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर के दिव्यांग बच्चों और शिक्षकों द्वारा 25 मई को शत प्रतिशत मतदान का आह्वान किया गया। दिव्यांगो को 'मेरा वोट, मेरी पहचान, सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो, 'मतदान मेरा अधिकार' आदि संदेश दिए। विद्यार्थियों ने पोस्टरों के माध्यम से मतदान का महत्व समझाया। निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि दिव्यांगो को भी नागरिक होने के नाते मतदान का पूर्ण अधिकार है। इसलिए उनको स्वेच्छा से सोच विचार कर योग्य व्यक्ति के पक्ष में मतदान जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को मतदान कराने के लिए प्रशासन द्वारा कई तरह की व्यवस्थाएं की गई हैं। जिससे कोई भी दिव्यांग मतदान करने से वंचित न हो। स्वस्थ एवं विकसित लोकतंत्र के लिए मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। हर नागरिक को इसे पर्व की तरह मनाना चाहिए। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के अध्यक्ष भगवान राणा, सदस्य आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, को-ऑर्डिनेटर देवेंद्र अहलावत, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतू, अंसुल, रितेश, फिजियोथेरपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलॉजिस्ट डॉ. विपुल, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना, काजल, अंकित, अंजली, अनिता आदि उपस्थित रहे।

Date : 01.05.2024

रोहतक | मंगलवार • 21.05.2024

अमर उजाला

04

amarujala.com/jind

अब मतदान से वंचित नहीं रहेंगे दिव्यांग : डॉ. आशुतोष

दिव्यांगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए जागरूकता रैली निकालते दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी के सदस्य। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

रैली निकाल किया दिव्यांगों को मतदान के लिए जागरूक

जींद। दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी के दिव्यांग बच्चों, शिक्षकों और वॉलंटियर्स ने सोमवार को जागरूकता रैली निकाल कर दिव्यांगों को मतदान करने का संदेश दिया। वॉलंटियर ने पोस्टर के माध्यम से दिव्यांगों को मतदान के प्रति प्रेरित किया।

रैली के माध्यम से दिव्यांगों से आह्वान किया गया कि वे 25 मई को शत-प्रतिशत मतदान करें। दिव्यांग को मतदान करने के लिए कई तरह की सुविधाएं मिलेंगी। उन्हें अब मतदान से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। हर दिव्यांग कह सकता है भारत भाग्य विधाता हूं, अब मैं मतदाता हूं।

सोसाइटी निदेशक डॉ. आशुतोष ने बताया कि 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग अपने मत का प्रयोग घर से पोस्टल बैलेट से कर सकते हैं। दिव्यांगों को घर से बूथ तक जाने के लिए वाहन के साथ व्हीलचेयर की सुविधा मिलेगी।

प्राचार्य सुरेंद्र कुमार ने कहा कि दिव्यांग मोबाइल के प्ले स्टोर से सक्षम एप को डाउनलोड कर मतदान के लिए सारी सुविधाओं का लाभ पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस अवसर पर भगवान राणा, डॉ. राजेश्वसर, आशुतोष कौशिक, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, देवेंद्र अहलावत, दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, अंशुल, रितेश, डॉ. हरजीत, डॉ. मनीष कुमार मौजूद थे।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 21-05-2024

जींद

को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

य करने के आदेश,

चे अपने साथ न लाएं

40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजन घर पर पोस्टल बैलेट से कर सकते हैं मतदान

रैली निकालकर दिव्यांगों को मतदान के लिए प्रेरित करते शिक्षक व वॉलिंटियर।

भास्कर न्यूज | जींद

दर्पण सोसाइटी के दिव्यांग बच्चों, शिक्षकों और वैलिंटियर्स द्वारा जागरूकता रैली निकालकर दिव्यांगों को संदेश दिया। उन्होंने दिव्यांगो से आह्वान किया कि वे 25 मई को शत प्रतिशत मतदान करें। निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजन अपने मत का प्रयोग घर से पोस्टल बैलेट के द्वारा भी कर सकते हैं। दिव्यांगजनों को घर से बूथ तक जाने के लिए वाहन के साथ व्हील चेयर की सुविधा भी मिलेगी। प्राचार्य सुरेंद्र कुमार ने कहा कि वे मोबाइल के प्ले स्टोर से सक्षम एप को डाउनलोड कर मतदान के लिए सारी सुविधाओं का लाभ पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर सोसाइटी के अध्यक्ष श्रीभगवान राणा, सदस्य डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, कोऑर्डिनेटर देवेंद्र अहलावत, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु ,अंशुल, रितेश, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना, काजल, अंकित, अंजली व अनीता भी उपस्थित रहे।

अब मतदान से वंचित नहीं रहेंगे दिव्यांग

दिव्यांगों के मतदान प्रक्रिया हुई आसान

रैली निकालकर किया दिव्यांगों को किया जागरूक

सवेरा न्यूज/जींद

जींद, 20 मई : दिव्यांग को मतदान करने के लिए अनेक सुविधाएं मिलेंगी। उन्हें अब मतदान से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। हर दिव्यांग कह सकता है हूभारत भाग्य विधाता हूं, अब मैं मतदाता हूं। सोमवार को भिवानी रोड पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के दिव्यांग बच्चों, शिक्षकों और वैलिंटियर्स द्वारा जागरूकता रैली निकालकर दिव्यांगों को संदेश दिया।

जागरूकता रैली निकालकर दिव्यांगो को मतदान के लिए प्रेरित करते शिक्षक व वैलिंटियर।

उन्होंने दिव्यांगो से आह्वान किया कि वे 25 मई को शत प्रतिशत मतदान करें। वालिंटियर ने पोस्टरों के माध्यम से दिव्यांगो को मतदान के लिए प्रेरित किया। निदेशक डॉ. आशुतोष ने दिव्यांग मतदाताओं को चुनाव में दी जाने वाली सुविधाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजन अपने मत का प्रयोग घर से पोस्टल बैलेट के द्वारा भी कर सकते है। दिव्यांगजनों को घर से बूथ तक जाने के लिए वाहन के साथ व्हील चेयर की सुविधा भी मिलेगी। प्राचार्य सुरेंद्र कुमार ने दिव्यांग मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि वे मोबाइल के प्ले स्टोर से सक्षम ऐप को डाउनलोड कर मतदान के लिए सारी सुविधाओं का लाभ पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के अध्यक्ष भगवान राणा, सदस्य डॉ. राजेश्वर, आशुतोष कौशिक, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, को-ऑर्डिनेटर देवेंद्र अहलावत, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतु, अंशुल, रितेश, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना, काजल, अंकित, अंजली, अनिता आदि उपस्थित रहे।

दैनिक सवेरा Tue, 21 May 2024
opaper.dainiksaveratimes.in/c/75140479

Date :
20.05.2024

आजादी का मूल्य समझे युवा पीढ़ी : डॉ. आशुतोष

दिव्यांग बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में लगाई प्रदर्शनी

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

शहीदों की शहादत से हमें मिली है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को देश की आजादी का मूल्य समझना चाहिए। यह बात दर्पण रिहैबिलिटेशन एवं रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. आशुतोष कौशिक ने दिव्यांग बच्चों को संबोधित करते हुए कही। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भिवानी रोड स्थित दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के दिव्यांग स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को याद किया गया। दिव्यांग बच्चों प्रदर्शनी लगाई और विभिन्न गतिविधियों द्वारा देश के प्रति समर्पण तथा प्रेम की अभिव्यक्ति की। स्वतंत्रता दिवस से संबंधित पोस्टर मेकिंग, कविता उच्चारण, देशभक्ति गीत, पेपर फ्लावर, ट्रायकलर बैज, ट्रायकलर फ्लैग, मेकिंग आदि गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।डॉ. आशुतोष कौशिक ने कहा कि देश की आजादी अनेकों देशभक्तों के बलिदान के उपरांत मिली है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा भारत सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान की पराकाष्ठ के कारण विश्वगुरु माना जाता है। इसलिए आज के पावन दिवस पर हम सभी को यह संकल्प करना चाहिए कि भारत को विश्वगुरु बनाए रखने में हम सदैव तत्पर रहेंगे। इस मौके पर सोसाइटी सदस्य डॉ. राजेश्वर, जयपाल, अर्चना, कोर्स को-ऑर्डिनेटर देवेंद्र अहलावत, साइकोलोजिस्ट मनीष कुमार, प्राध्यापक दीप्ति, मीनू शर्मा, विशेष शिक्षक भारती, मुख्तयार सिंह, राज रानी, रीतु, काजल, सुनैना, प्रमोद, मोहित, अनीता आदि मौजूद रहे।

Date :
14.08.2024

आजादी पर दिव्यांग बच्चों ने लगाई प्रदर्शनी

जींद। शहीदों की बदौलत हमें आजादी मिली है, इसलिए आज की युवा पीढ़ी को देश की आजादी का मूल्य समझना चाहिए। यह बात दर्पण रिहैबिलिटेशन एवं रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. आशुतोष कौशिक ने दिव्यांग बच्चों को संबोधित करते हुए कही। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भिवानी रोड स्थित दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी के दिव्यांग स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शहीदों को याद किया गया। दिव्यांग बच्चों ने प्रदर्शनी लगाई। स्वतंत्रता दिवस से संबंधित पोस्टर मेकिंग, कविता उच्चारण, देशभक्ति गीत, पेपर फ्लावर, ट्राय कलर बैज, ट्राय कलर फ्लैग आदि गतिविधियों में भाग लिया। डॉ. आशुतोष कौशिक ने कहा कि देश को आजादी कई देशभक्तों के बलिदान के बाद मिली है। उन्होंने देश के प्रति वफादार रहने तथा भारत मां से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर, जयपाल, अर्चना, कोर्स को-ऑर्डिनेटर देवेंद्र अहलावत, साइकोलॉजिस्ट मनीष कुमार, प्राध्यापक दीप्ति, मीनू शर्मा, विशेष शिक्षक भारती, मुख्तयार सिंह, राज रानी, रीतु, काजल, सुनैना, प्रमोद, मोहित, अनीता मौजूद रहीं। संवाद

प्रदर्शनी में उपस्थित दिव्यांग बच्चे, स्टाफ और अन्य। स्रोत : संस्थान

दैनिक भास्कर जींद भास्कर 02-10-2024

Date : 01.10.2024

दिव्यांग बच्चों के साथ निकाली जागरूकता रैली

जींद| दिव्यांग मतदाताओं व बुजुर्गों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए भिवानी रोड पर मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। दर्पण सोसायटी के स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर के दिव्यांग बच्चों और शिक्षकों ने 5 अक्टूबर को शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। दिव्यांग बच्चों व संस्था सदस्यों ने तख्तियों के माध्यम से 'वोट देने जाना है, अपना फर्ज निभाना है, वोट डालना है जरूरी, 'मतदान मेरा अधिकार' आदि स्लोगन से मतदान करने को प्रेरित किया। संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, अमित, दीप्ति, मीनू, रीतू, डॉ. हरजीत, पूजा, काजल, अंकित, अंजली, अनिता मौजूद थीं।

दिव्यांगों को भी वोट डालने का मौलिक अधिकार

- दिव्यांगों को सक्षम एप की दी जानकारी

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 1 अक्तूबर : हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए दिव्यांग मतदाताओं व बुजुर्गों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए मंगलवार को भिवानी रोड पर मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। दर्पण सोसायटी के स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर के दिव्यांग बच्चों और शिक्षकों ने 5 अक्तूबर को शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। दिव्यांग बच्चों व संस्था सदस्यों ने तख्तियों के माध्यम से वोट देने जाना है, अपना फर्ज निभाना है, वोट डालना है जरूरी, मतदान मेरा अधिकार आदि श्लोगनों से मतदान करने को प्रेरित किया। संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि मतदान करना सबका मौलिक अधिकार है। दिव्यांग और बुजुर्गों इससे वंचित नहीं रह सकते। हमें सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों के द्वारा इनको मतदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। अत्यधिक शारीरिक समस्या वाले दिव्यांगों के घर पर मतदान कराने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों से शत प्रतिशत मतदान कराए जाने के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा सक्षम एप तैयार किया गया है। इस अवसर पर दर्पण संस्था के सदस्य आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, को-ऑर्डिनेटर अमित, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतु, फिजियोथेरपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलोजिस्ट मनीष कुमार, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, मुख्तयार सिंह, राज रानी, सुनैना, पूजा, काजल, अंकित, अंजलि, अनिता आदि उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता रैली निकलते दिव्यांग बच्चे और संस्था के सदस्य।

दिव्यांगों को है वोट डालने का मौलिक अधिकार

⏭ वोट देने जाना है, अपना फर्ज निभाना है का दिया संदेश

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए दिव्यांग मतदाताओं व बुजुर्गों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए मंगलवार को भिवानी रोड पर मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। दर्पण सोसायटी के स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर के दिव्यांग बच्चों और शिक्षकों ने 5 अक्टूबर को शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। दिव्यांग बच्चों व संस्था सदस्यों ने तख्तियों के माध्यम से 'वोट देने जाना है, अपना फर्ज निभाना है, वोट डालना है जरूरी, 'मतदान मेरा अधिकार' आदि श्लोगनो से मतदान करने को प्रेरित किया। संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि मतदान करना सबका मौलिक अधिकार है। दिव्यांग और बुजुर्गों इससे वंचित नहीं रह सकते। हमें सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों के द्वारा इनको मतदान के प्रति जागरूक करना चाहिए। अत्यधिक शारीरिक समस्या वाले दिव्यांगों के घर पर मतदान कराने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों से शत प्रतिशत मतदान कराए जाने के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा सक्षम एप तैयार किया गया है। सभी दिव्यांगजनों को यह एप अपने मोबाइल में डाउनलोड करके आवश्यक जानकारियां भरनी चाहिए ताकि उन्हें मतदान के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके।

इस अवसर पर दर्पण संस्था के सदस्य आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, प्रदीप, को-ऑर्डिनेटर अमित, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतु, फिजियोथेरपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलोजिस्ट मनीष कुमार, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, मुख्तयार सिंह, राज रानी, सुनैना, पूजा, काजल, अंकित, अंजली, अनिता आदि उपस्थित रहे।

को लेकर जागरूक करने के पात्र है।

दिव्यांग बच्चों ने जाना स्वच्छता का महत्व

जींद : महात्मा गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत भिवानी रोड पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाया गया। दिव्यांग बच्चों और विशेष शिक्षकों ने गलियों में सफाई की और लोगों को सफाई के बारे में जागरूक किया। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने दिव्यांग बच्चों को स्वच्छ भारत मिशन के बारे में बताया। डॉ. आशुतोष ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कहना था कि स्वच्छ शरीर के साथ स्वच्छ वातावरण भी बहुत जरूरी हैइसलिए हमें अपने चारों और के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। इससे हम स्वयं के साथ परिवार और देश की सेवा करते हैं और अनेक बीमारियों की रोकथाम करते हैं। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, जयपाल, प्रदीप, को-ऑर्डिनेटर अमित, लेक्चरर दीप्ति, अंशुल, मीनू शर्मा, रीतू, फिजियोथेरपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार, विशेष शिक्षक भारती, राजरानी, मुख्तयार सिंह, पूजा, प्रमोद, सुनैना, काजल, अनिता आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

Date :
02.10.2024

सोसाइटी सदस्यों ने चलाया सफाई अभियान

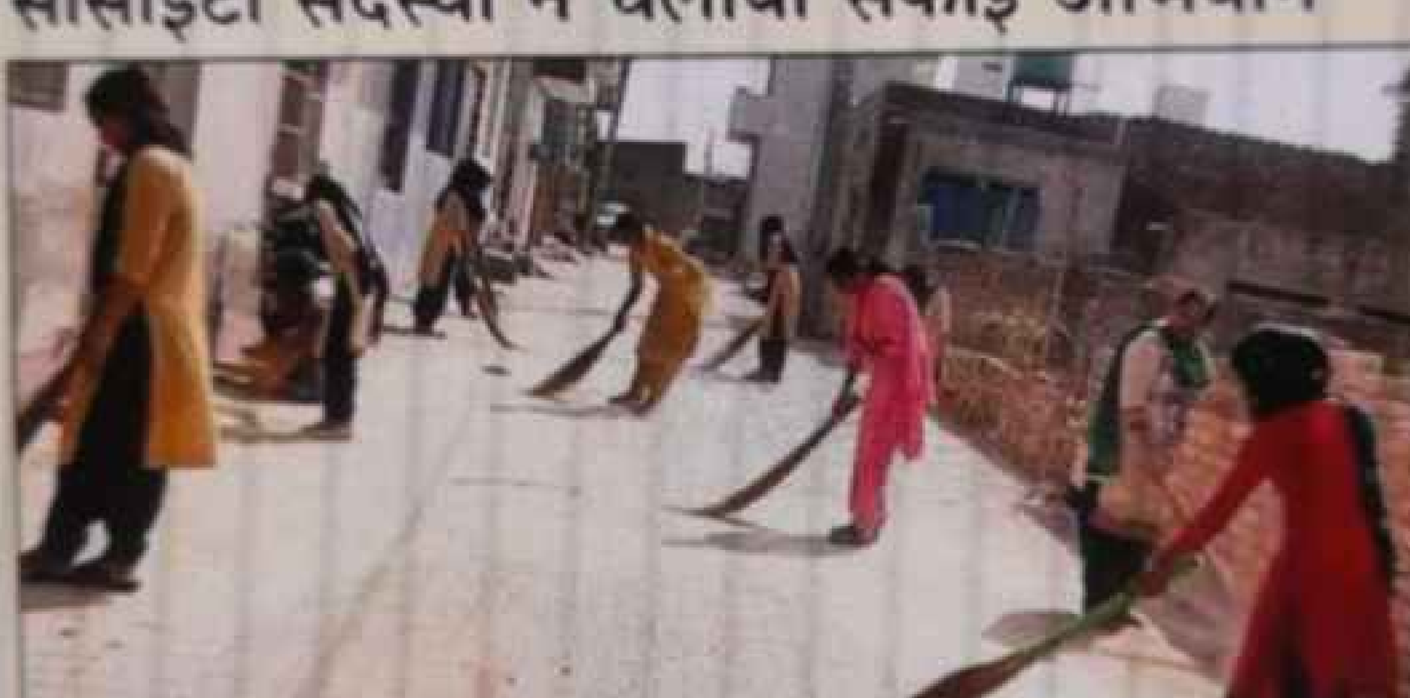

जींद। महात्मा गांधी जयंती पर भिवानी रोड पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया गया। दिव्यांग बच्चों और शिक्षकों ने गलियों में सफाई की और लोगों को सफाई के बारे में जागरूक किया। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने बच्चों को स्वच्छ भारत मिशन के बारे में बताया। इस अवसर पर दर्पण सोसाइटी के डॉ. राजेश्वर, जयपाल, प्रदीप, अमित, दीप्ति, अंसुल, मीनू शर्मा, रीतू, डॉ. हरजीत, भारती, राजरानी, पूजा, सुनैना, काजल, अनिता मौजूद रहीं। संवाद

दिव्यांग बच्चों ने जाना स्वच्छता का महत्व

ऋषि की आवाज जींद। महात्मा गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत भिवानी रोड पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान चलाया गया। दिव्यांग बच्चों और विशेष शिक्षकों ने गलियों में सफाई की और लोगों को सफाई के बारे में जागरूक किया। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने दिव्यांग बच्चों को स्वच्छ भारत मिशन के बारे में बताया। डॉ. आशुतोष ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का कहना था कि स्वच्छ शरीर के साथ स्वच्छ वातावरण भी बहुत जरूरी हैइसलिए हमें अपने चारों और के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। इससे हम स्वयं के साथ परिवार और देश की सेवा करते हैं और अनेक बीमारियों की रोकथाम करते हैं।

जींद भास्कर

Date : 06.10.2024

दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में दिव्यांग बच्चों को दी जानकारी

दिव्यांग बच्चों ने पोस्टर मेकिंग में सेरेब्रल पाल्सी बीमारी के प्रभाव और उपचार को प्रदर्शित किया

भास्कर न्यूज | जींद

सेरेब्रल पाल्सी एक न्यूरोलाजिकल डिसऑर्डर है। इसका 3-4 वर्ष की आयु के बाद ही पता लगता है। ये बात साइकोलॉजिस्ट डॉ. अदिति ने संबोधित करते हुए कही। वे अंतरराष्ट्रीय सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर भिवानी रोड पर स्थित दर्पण सोसायटी के स्पेशल स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में दिव्यांग बच्चों और उनके परिजनों को जानकारी दे रही थीं। इस मौके पर दिव्यांग बच्चों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के दौरान इस बीमारी के प्रभाव और उपचार को प्रदर्शित किया।

डॉ. अदिति ने बताया कि सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी का उपचार अभी नहीं है। इसलिए आजीवन बेहतर देखभाल की जरूरत होती है। यदि समय पर बीमारी की पहचान हो जाए तो चिकित्सकीय मदद से कुछ राहत मिल सकती है। इससे ग्रस्त बच्चे चलने-फिरने में अक्षम होते हैं और इनका बौद्धिक विकास भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से शिशु प्राय: गर्भावस्था के दौरान ही ग्रसित हो जाता है। कुछ मामलों में जन्म के बाद बच्चे इससे ग्रसित होते हैं।

जींद. अंतरराष्ट्रीय सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ शिक्षक व सोसायटी सदस्य।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में गुलाब प्रथम

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थी गुलाब प्रथम, वैशाली द्वितीय और गुड़िया तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि और शिक्षकों ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, जयपाल, प्रदीप, अमित, दीप्ति, अंसुल, मीनू शर्मा, रीतू, डॉ हरजीत, डॉ मनीष कुमार, भारती, राजरानी, मुख्तयार सिंह, पूजा, प्रमोद, सुनैना, काजल, अनिता आदि उपस्थित रहे।

इसके कारकों में जीन में परिवर्तन, जन्म के समय पर्याप्त मात्रा में मस्तिष्क को ऑक्सीजन न मिलना, मस्तिष्क को प्रभावित करने वाला बुखार, मस्तिष्क का असामान्य विकास, सिर में चोट लगना और रक्तस्राव आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आयु बढ़ने के साथ ही इस बीमारी के लक्षण गंभीर होते जाते हैं। कुछ मामलों में बच्चे को व्हीलचेयर का सहारा भी लेना पड़ सकता है।

संस्थान को-ऑर्डिनेटर अमित ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास नहीं हो पाता है और वे पूरी तरह दूसरों पर निर्भर होते हैं। इसलिए हमें ऐसे बच्चों की मदद करनी चाहिए। इस वर्ष की थीम "यूनीक्लीसीपी' है। इसके द्वारा संदेश दिया जाएगा कि अपनी विशिष्ट क्षमताओं और योग्यताओं से सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित व्यक्ति अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

Date : 10.10.2024

सावधान! कहीं आपका बच्चा तनाव में तो नहीं

- बच्चों के स्वास्थ्य पर माता-पिता रहें सजग
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

बच्चों में तनाव और अवसाद की समस्या बढ़ती जा रही है। माता-पिता को अपने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहना जरूरी हो गया है। यह बात निदेशक डॉ. आशुतोष ने वीरवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर भिवानी रोड स्थित दर्पण सोसायटी के स्पेशल स्कूल दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में दिव्यांग बच्चों व उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कही। दिव्यांग बच्चों ने पोस्टर बनाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि चाहे काम का प्रेशर हो या फिर निजी जीवन में अन्य कोई परेशानी हो। व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ने लगता है, लेकिन चिंता तब ज्यादा बढ़ जाती है जब छोटे बच्चों की मानसिक सेहत बिगड़ने लगती है। असल में माता-पिता को लगता है कि बच्चे के जीवन में कुछ परेशानी नहीं है, लेकिन बच्चों के लिए कई बार स्कूल का दबाव, दोस्तों से लड़ाई, माता-पिता की नजरअंदाजगी और अकेलापन तनाव और अवसाद का कारण बनने लगते हैं। इससे बच्चे की मानसिक सेहत बिगड़ना शुरू हो जाती है। ऐसे में माता-पिता को समय रहते बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने के लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है। अंत में परिजनों ने इस आयोजन के लिए संस्था का आभार जताया। इस अवसर पर दर्पण संस्था के सदस्य आशुतोष कौशिक, जयपाल, प्रदीप, को-ऑर्डिनेटर अमित, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतू, फिजियोथेरपिस्ट डॉ. हरजीत, साइकोलोजिस्ट मनीष कुमार, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, मुख्तयार सिंह, राज रानी, सुनैना, पूजा, काजल, अंकित, अंजली, अनिता आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 30-10-2024

प्रदर्शनी • दिवाली मेले में किया स्वयं निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन

दिव्यांगता कमजोरी नहीं ; मिट्टी के दीयों पर अनोखी कला कृति

भास्कर न्यूज | जींद

भिवानी रोड पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर और स्पेशल स्कूल में दिव्यांगो बच्चों दिवाली मेले का आयोजन किया गया। इसमें दिव्यांग बच्चों ने स्व निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। मोमबत्तियां, मिट्टी के दीयों और अन्य सजावटी सामान से अपनी कला और शिल्पकारी का नमूना पेश किया। शिक्षकों और अन्य लोगों ने उनके उत्पादों की जमकर खरीदारी की। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि दिव्यांग बच्चों ने शारीरिक और मानसिक कमजोरी को अपने कौशल से छोटा साबित कर दिया है। इन्हें जब भी अवसर मिलता है तो प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया कि लोगों ने दिवाली मेले के दौरान दिव्यांग बच्चों से बातचीत कर उनकी वेदनाओं को समझा और प्रोत्साहित किया। प्राचार्य सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि संस्था बौद्धिक विकलांगता, मानसिक मंदता, सेरेब्रल पाल्सी, श्रवण बाधित आदि सभी दिव्यांगताओं के पीड़ितों के उत्थान के लिए हर संभव कार्य कर रही है। दीपावली पर्व पर पूजा पाठ किया गया और सभी दिव्यांग बच्चों , शिक्षकों और अन्य स्टाफ सदस्यों को प्रसाद भी वितरित किया। वहीं, दिव्यांग बच्चों ने दीपावली की रंगोली बनाकर सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर,जयपाल, प्रदीप,अर्चना, अमित, दीप्ति, अंसुल, मीनू , रीतू, अनिता आदि उपस्थित रहे।

जींद. दिवाली मेले में अपने उत्पादों को प्रदर्शित करते दिव्यांग विद्यार्थी।

Date : 29.10.2024

बच्चों की ओर से बनाए गए उत्पादों का अवलोकन करते हुए। स्रोत : संस्थान

दिव्यांग बच्चों ने दिवाली पर बनाए उत्पाद

जींद। दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर और स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चों ने दिवाली पर्व पर उत्पाद बनाए और स्कूल में उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई। बच्चों ने मोमबत्तियां, मिट्टी के दीयों और अन्य सजावटी सामान तैयार कर अपनी कला और शिल्पकारी का नमूना पेश किया। शिक्षकों और अन्य लोगों ने उनके उत्पादों की खरीदारी भी की। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि बच्चों ने शारीरिक कमजोरी को कौशल से छोटा साबित कर दिखाया है। संवाद

Date : 29.10.2024

दिव्यांग स्वयं को न समझें कमजोर : नरेंद्र कुमार

तीन दिवसीय दिव्यांग जांच एवं यूडीआईडी कार्ड शिविर सम्पन्न

जगत क्रान्ति ▶▶ जीन्द

दिव्यांग स्वयं को कमजोर न समझें, सरकार व सामाजिक संस्थाएं दिव्यांगों के उत्थान के लिए हमेशा तैयार खड़ी हैं। यह शब्द जिला कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार ने संबोधित करते हुए व्यक्त किए। वे बुधवार को दर्पण कम्यूनिकेशन सोसायटी की ओर से स्थानीय लघु सचिवालय के डीएसडब्लूओ कार्यालय के प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय दिव्यांग जांच एवं यूडीआईडी कार्ड शिविर के समापन पर मुख्य अतिथि थे। इस तीन दिवसीय शिविर में अनेक दिव्यांगजनों के द्वारा आवेदन भरे गए।

जिला कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि केन्द्र सरकार ने दिव्यांगजनों को सभी सुविधाएं राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए यूडीआईडी कार्ड शुरू किया है। इस यूडीआईडी कार्ड में एक यूनिक नंबर होगा जिसमें दिव्यांग से संबंधित सभी जानकारी होंगी। इस नंबर के प्रयोग से दिव्यांगजन ऑनलाइन आवेदन से भी सरकार की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। यह कार्ड राष्ट्रीय स्तर पर मान्य होगा। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन जिनकी विकलांगता 40 प्रतिशत या इससे अधिक है, यूनिक विकलांगता आईडी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दिव्यांगों के पुनर्वास के मद्देनजर शिविर में दिव्यांगों के दस्तावेजों के मूल्यांकन के बाद उनकी जरूरत अनुसार उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, सीपी चेयर आदि उपलब्ध कराने के लिए पंजीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को ऐसे शिविरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना चाहिए। जिला समाज कल्याण अधिकारी सरोज देवी ने भी सरकार की दिव्यांगो के लिए चल रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने दिव्यांग पेंशन, लीगल गार्डियनशिप आदि के बारे में बताया। संस्था अध्यक्ष भगवान राणा और डॉ. आशुतोष ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद व्यक्त किया। शिविर में जिला समाज कल्याण विभाग से सेवानिवृत अधिकारी देवेंद्र लाठर, अन्वेषक सत्यवान दांगी, रचना लाठर, विजय यादव, दर्पण कम्यूनिकेशन सोसायटी से जयपाल, डॉ. राजेश्वर, अर्चना और दर्पण रिहैबिलिटेशन सेंटर से अमित, मीनू शर्मा, रीतू, भारती, अंकित, मुख्तयार सिंह, रमेश आदि उपस्थित रहे।

Divyang Camp (11 to 13 November 2024)

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 04-12-2024

विश्व विकलांग दिवस पर दिव्यांग बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया

'दिव्यांगों में प्रतिभा की कमी नहीं, उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने की जरूरत'

भास्कर न्यूज़ | जींद

जींद. जागरूकता रैली निकालते दिव्यांग बच्चे व स्टाफ सदस्य।

दिव्यांगों में प्रतिभा की कमी नहीं है, सिर्फ उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने की जरूरत है। वे अपनी प्रतिभा से उच्च स्तर का कार्य कर सकते हैं। यह बात रोहतक रोड चौकी प्रभारी पीएसआई मनोज कुमार ने मंगलवार को भिवानी रोड पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में दिव्यांगो बच्चों द्वारा विश्व विकलांग दिवस पर आयोजित जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखते हुए कही। इस मौके पर दिव्यांग बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया गया।

पीएसआई ने कहा कि हमें दिव्यांगों के साथ भेदभाव की भावना को खत्म कर उनकी प्रतिभा को निखारना चाहिए। दिव्यांग होने के बावजूद भौतिकी के क्षेत्र में मशहूर वैज्ञानिक हाकिंस, हमारे प्रदेश की पैरा ओलंपियन दीपा मालिक, पर्वतारोही नवीन गुलिया आदि ने अपने क्षेत्र में अद्भुत कार्य किए। जिसकी वजह से आज लोग उन्हें जानते हैं। निदेशक डॉ. आशुतोष कौशिक ने कहा कि दिव्यांगजनों का सर्वांगीण विकास करना ही हमारा प्रयास है। दिव्यांग बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, सुरेंद्र शर्मा, अमित त्यागी, दिनेश, सुनील, यशवंत, डा. नरेंद्र सिंह, दीप्ति, गर्वित, मीनू शर्मा, रितु, अंसुल, लक्ष्मीनारायण, संदीप कुमार, डॉ. मनीष, भारती, भारती भाटिया, प्रमोद, राजबीर, सुनैना, काजल, अनिता आदि उपस्थित रहे।

Date : 03.12.2024

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 11-12-2024

'गीता के उपदेश का अनुसरण जीवन में करना चाहिए'

जींद| भिवानी रोड पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर एवं स्पेशल स्कूल के दिव्यांग विद्यार्थियों ने मंगलवार को जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में शैक्षणिक भ्रमण किया। समारोह में लगे अलग-अलग स्टालसे विभिन्न जानकारी ली। संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि गीता का उपदेश आज भी प्रासंगिक है। सभी को जीवन में इनका अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि फल की इच्छा किए बिना व्यक्ति को कर्म करते रहना चाहिए। व्यक्ति को कर्म के अनुसार फल मिलता है। विद्यार्थियों को गीता के इसी ज्ञान से परिचित कराने का प्रयास किया है। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, अमित त्यागी, डॉ. नरेंद्र सिंह, दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, अंशुल, लक्ष्मी नारायण, संदीप कुमार, डॉ. मनीष, भारती, भारती भाटिया, प्रमोद, पूजा, सतविंदर सिंह व अनीता भी मौजूद रहे।

Date :
10.12.2024

दिव्यांग बच्चों ने लिया गीता का ज्ञान

■ गीता जयंती महोत्सव में किया भ्रमण

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

भिवानी रोड के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर एवं स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने मंगलवार को जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। समारोह में लगे अलग-अलग स्टालों से विभिन्न जानकारी ली। संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को गीता का ज्ञान देने और समझाने के लिए मंगलवार को दीवानखाना में चल रहे तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में भ्रमण कराया गया।

उन्होंने बताया कि दिव्यांग बच्चों को गीता के महत्व के बारे में जानकारी दी। गीता की जानकारी को लेकर सभी दिव्यांग बच्चों में उत्साह था।डॉ. आशुतोष ने कहा कि गीता का उपदेश आज भी प्रासंगिक है। सभी को जीवन में इनका अनुसरण करना चाहिए।

हमने भी दिव्यांग बच्चों को गीता के इसी ज्ञान से परिचित कराने का प्रयास किया है। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, संस्थान कोऑर्डिनेटर अमित त्यागी, सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह, लेक्चरर दीप्ति, रवित बुधवार, मीनू शर्मा, रितु, अंसुल, लक्ष्मीनारायण, संदीप कुमार, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, विशेष शिक्षक भारती, भारती भाटिया, प्रमोद, पूजा, राजबीर, सुनैना, काजल, पूजा, नवनीत कौर, सतविंदर सिंह, अनिता आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

दिव्यांग बच्चों ने गीता जयंती महोत्सव का भ्रमण किया

जींद। भिवानी रोड के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर एवं स्पेशल स्कूल के दिव्यांग बच्चों ने मंगलवार को जिलास्तरीय गीता जयंती महोत्सव का भ्रमण किया। समारोह में लगे स्टॉलों पर जाकर जानकारी ली। संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को गीता का ज्ञान देने और समझाने के लिए महोत्सव का भ्रमण करवाया गया। उन्होंने कहा कि गीता का उपदेश आज भी प्रासंगिक है। इस अवसर पर दर्पण सोसाइटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, संस्थान को ऑर्डिनेटर अमित त्यागी, सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह, लेक्चरर दीप्ति, सुनैना व अन्य मौजूद रहीं। संवाद

दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 27-12-2024

साहिबजादों को भुलाया नहीं जा सकता : डॉ. आशुतोष

जींद | धर्म की रक्षा के लिए कुर्बानी देने वाले गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों की याद में भिवानी रोड पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में वीर बाल दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. आशुतोष कौशिक ने कहा कि सिखों के दशम गुरु गोबिंद सिंह के बेटों ने मानवता के लिए अपने आप को हंसते-हंसते न्यौछावर कर दिया। समाज के लिए कुर्बानी देने वाले साहिबजादों को भुलाया नहीं जा सकता। बच्चों को साहिबजादों की कुर्बानी को याद कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर भगवान राणा, डॉ. राजेश्वर, जयपाल, अर्चना, जगदीश, अमित,डॉ. सुरेंद्र, दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, मुख्तयार सिंह, डॉ. मनीष, भारती, राजबाला, पूजा, प्रमोद, काजल, सुनैना, अनीता मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों ने पोस्टरों से वीर शहीदों को किया याद

साहिबजादों की याद में हुई प्रतियोगिता में पोस्टर दिखाते हुए दिव्यांग बच्चे। स्रोत : स्कूल

जींद। मानवता की रक्षा के लिए कुर्बानी देने वाले गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों की याद में वीरवार को दर्पण रिहैबलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चों ने वीर बाल दिवस मनाया। स्कूल में बच्चों के लिए पोस्टर मेकिंग, पेंटिंग व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने रंग-बिरंगे रंगों से सुंदर-सुंदर पोस्टर व स्लोगन तैयार किए। निदेशक डॉ. आशुतोष कौशिक ने कहा कि सिखों के दशम गुरु गोबिंद सिंह के बेटों ने मानवता के लिए अपने आप को हंसते-हंसते न्यौछावर कर दिया। समाज के लिए कुर्बानी देने वाले साहिबजादों को भुलाया नहीं जा सकता। बच्चों को साहिबजादों की कुर्बानी को याद कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। पोस्टर मेकिंग के प्रतिभावान दिव्यांग बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान सोसायटी अध्यक्ष भगवान राणा, सदस्य डॉ. राजेश्वर, जयपाल, अर्चना, जगदीश, कोऑर्डिनेटर अमित, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुरेंद्र, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, मुख्तयार सिंह, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, विशेष शिक्षक भारती, राजबाला, पूजा, प्रमोद, काजल, सुनैना, अनिता और नवनीत कौर मौजूद रही।

Date :
26.12.2024

Date : 03.04.2025

जागरूकता | दिव्यांग बच्चों ने दर्पण रिहेबिलिटेशन सेंटर में मनाया विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस

देरी से गर्भाधारण से डाउन सिंड्रोम का खतरा

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। महिलाओं की बढ़ती उम्र में गर्भाधारण डाउन सिंड्रोम के खतरे को बढ़ा देता है। ऐसे में लोगों को इसके बारे में जागरूक होना जरूरी है।

यह बात मनोचिकित्सक डॉ. दीपक कुमार ने अपने संबोधन में कही। वह दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी के दर्पण रिहेबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में शुक्रवार को आयोजित विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस कार्यक्रम में पहुंचे थे। सोसाइटी अध्यक्ष श्रीभगवान राणा ने बताया कि दिव्यांग बच्चों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मनोचिकित्सक डॉ. दीपक ने कहा डाउन सिंड्रोम शरीर की रचना में बना एक आनुवंशिक विकार है, जिससे बौद्धिक क्षमता और शारीरिक विकास पर बहुत असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि डाउन सिंड्रोम तब होता है, जब किसी व्यक्ति के पास क्रोमोसोम 21 की अतिरिक्त कॉपी या आंशिक कॉपी होती है। पेंटिग प्रतियोगिता में ज्योति प्रथम, गुलाब द्वितीय और समीक्षा तीसरे स्थान पर रही। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, जगदीश, अमित, लेक्चरर दीप्ति, मीनू मौजूद रहे।

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस पर अपनी पेंटिंग्स के साथ दिव्यांग बच्चे और शिक्षक। स्रोत संस्थान

डाउन सिंड्रोम दिवस एक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम

संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस एक वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है जो हर साल 21 मार्च को जागरूकता बढ़ाने और परिवार के समर्थन में आवाज उठाने के लिए मनाया जाता है। प्राचार्य सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि डाउन सिंड्रोम वाले लोगों की मानसिक व शारीरिक विकास की निगरानी के साथ-साथ उनकी फिजियोथेरेपी, नियमित कंसल्टेंसी और विशेष शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य | दर्पण रिहैबिलिटेशन सेंटर और स्पेशल स्कूल में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया

ऑटिज्म न्यूरोलॉजिकल बीमारी : डॉ. आशुतोष

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी ने दर्पण रिहैबिलिटेशन सेंटर और स्पेशल स्कूल में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि

ऑटिज्म एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। इसके लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। इससे पीड़ित बच्चे में किसी काम को सीखने, किसी से संचार करने और काम करने की क्षमता कम के लक्षण होते हैं। उनका व्यवहार सामान्य बच्चों की तुलना में अलग होते हैं। जन्म के एक साल बाद ही इस बीमारी के लक्षण दिखने लग जाते हैं।

साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे को आंखों से संपर्क करने में परेशानी होती है। इस बीमारी से पीड़ित बच्चे अक्सर आंखों को आपकी तरफ नहीं घुमाते हैं। अगर आप उनको देखते भी हैं तो वह संपर्क नहीं करते हैं। वह किसी को देखकर मुस्कराना या हाथ मिलाना जैसी काम नहीं कर पाते हैं।

ऐसा उनके दिमाग के सही तरीके से विकास नहीं होने के कारण होता है। कार्यक्रम में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में गुलाब सिंह प्रथम, ज्योति द्वितीय और समीक्षा तीसरे स्थान पर रही। इस मौके पर डॉ. राजेश्वर, जयपाल, सोनिका, जगदीश, देवेंद्र, अमित, दीप्ति, मीनू शर्मा, भारती, अंकित, काजल, सुनैना, सुमित, राजरानी, नवनीत कौर और सतविंदर सिंह भी मौजूद रहे।

विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस पर अपनी पेंटिंग के साथ दिव्यांग बच्चे। संवाद

Date : 03.04.2025

दिव्यांगों को चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएं

■ दर्पण संस्था द्वारा प्रारंभिक हस्तक्षेप कार्यक्रम आयोजित

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

दिव्यांग बच्चों में भविष्य की चुनौतियों से लड़ने की क्षमता को विकसित करना बहुत जरूरी है ताकि उनका बेहतर पुनर्वास हो सके। यह बात शिक्षाविद एवं समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा ने संबोधित करते हुए कही। उन्होंने भिवानी रोड स्थित दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा दर्पण रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में मंगलवार को आयोजित प्रारंभिक हस्तक्षेप कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस शिविर में संस्था सदस्यों व स्टाफ सदस्यों द्वारा दिव्यांगों के परिजनों को उनके पुर्नवास के लिए परामर्श दिया गया। इसमें भिवानी रोड स्थित कॉलोनियों व आसपास के गांवों से 21 दिव्यांग बच्चों के परिजनों ने परामर्श लिया।

शिक्षाविद सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि दिव्यांगों के परिजन जानकारी के अभाव में परेशान रहते हैं। सही जानकारी नहीं होने के कारण जगह-जगह भटकना पड़ता है। दिव्यांगों में कई तरह परेशानियां रहती हैं जिसको परामर्श के द्वारा हल किया जा सकता है।

संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने बताया कि इस प्रारंभिक हस्तक्षेप कार्यक्रम में विशेष रूप से जन्म से 6 वर्ष की आयु तक के बच्चों के विकास में देरी, विकलांगता का आकलन किया जाता है। इस अवसर पर दर्पण सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, जगदीश, कोर्स कोऑर्डिनेटर देवेंद्र, अमित, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रवित बधवार, साइकोलोजिस्ट डॉ. मनीष कुमार, विशेष शिक्षक प्रमोद, भारती, अंकित, काजल, सुनैना, सुमित, राजरानी, नवनीत कौर, सतविंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।

Date : 08.04.2025

दिव्यांग बच्चों के माता-पिता का सशक्त होना जरूरी

■ पेरेंट्स एंपावरमेंट विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

माता-पिता के सशक्तिकरण से ही दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा निखर सकती है। इसलिए उनका जागरूक होना बहुत जरूरी है। यह बात विशेष शिक्षा विशेषज्ञ एवं प्राध्यापक मीनू शर्मा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कही। शुक्रवार को दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा जागरूकता अभियान के तहत दर्पण रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के लिए पेरेंट्स एंपावरमेंट विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें काफी संख्या में दिव्यांग बच्चों के माता पिता ने भाग लिया। उन्हें विभिन्न दिव्यांगताओं के बारे में जागरूक किया और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई।

मीनू शर्मा ने कहा कि माता-पिता बच्चे के जीवन में पहले शिक्षक होते हैं और बच्चे की धारणाओं को आकार देने में मदद करते हैं। जब माता-पिता बच्चे की शिक्षा में शामिल होते हैं, तो इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि वे पीछे न रहें। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने कहा कि बच्चों की शिक्षा और पुनर्वास में विशेष शिक्षकों के साथ माता-पिता की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है। इसलिए बच्चे में जिस प्रकार की दिव्यांगता हो अभिभावकों को भी उसका प्रशिक्षण लेना चाहिए। इस अवसर पर दर्पण सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, अर्चना, जगदीश, कोर्स कोऑर्डिनेटर देवेंद्र, अमित, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, रवित बधवार, दीक्षेश, साइकोलोजिस्ट डॉ. मनीष कुमार, विशेष शिक्षक प्रमोद, भारती, अंकित, काजल, सुनैना, सुमित, राजरानी, नवनीत कौर, सतविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

Date : 17.05.2025

दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देती नई शिक्षा नीति : डॉ. मलिक

■ तीन दिवसीय सतत् पुर्नवास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ

जगत क्रान्ति ⏭ जींद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली में एक व्यापक सुधार है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा को अधिक समावेशी, न्यायसंगत और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। ये बात राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। भिवानी रोड पर रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में शुक्रवार को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: विशेष शिक्षा' विषय पर भारतीय पुर्नवास परिषद् की तीन दिवसीय सतत् पुर्नवास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सत्यवान मलिक ने किया। संस्थान निदेशक डॉ आशुतोष ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। नई शिक्षा नीति में विशेष शिक्षा के प्रावधानों पर मंथन होगा। प्राचार्य डॉ. सत्यवान मलिक ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में दिव्यांगों की समावेशी शिक्षा के लिये विशेष प्रवधान किये गए है। उन के सर्वांगीण विकाश के लिये योग्य शिक्षकों का परिशिक्षण सहायक, उपकरण, नई तकनीक आदि को सुनिश्चित किया गया है। नई नीति में दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम 2016 के तहत परिभाषित दिव्यांगों की समानता व समावेश आदि सभी प्रावधानों को शामिल किया गया है। हरियाणा पहला राज्य है जहाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को पूरी तरह लागू किया गया है। दिव्यांगों को विशेष शिक्षा देने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पहले दिव्यांगों को शिक्षा देने के लिए विशेष स्कूल में भेजा जाता था। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, अर्चना, डॉ. आशुतोष, कोऑर्डिनेटर अमित, रिसोर्स पर्सन शील कुमार, प्रोमिला, सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, मुख्तियार सिंह, ऑडियोलॉजिस्ट वरुण गर्ग, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना, राजबीर, अर्चना, पूजा आदि सहित सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे।

RCI Approved CRE Programme : 13 to 15 June 2025

'सकारात्मक माहौल में ही समावेशी शिक्षा संभव'

जगत क्रान्ति ⏭ जीन्द

समावेशी शिक्षा से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैंलेकिन यह सभी वर्गों के सहयोग से ही संभव है। यह बात रिसोर्स पर्सन एवं ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. वरुण गर्ग ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। रविवार को भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में आयोजित भारतीय पुर्नवास परिषद्, नई दिल्ली के सतत् पुर्नवास शिक्षा कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विशेष शिक्षा का समापन हो गया। इस तीन दिवसीय जोनल स्तरीय कार्यक्रम में विशेष शिक्षा विशेषज्ञों ने नई शिक्षा नीति में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए किए गए प्रावधानों पर मंथन किया। रिसोर्स पर्सन डॉ. वरुण गर्ग ने कहा कि देश की नई शिक्षा नीति में दिव्यांग बच्चे के लिए समावेशी शिक्षा का प्रावधान किया गया है। समावेशी शिक्षा का उद्देश्य न केवल दिव्यांगों को शिक्षा तक पहुंच प्रदान करना है, बल्कि उन्हें एक ऐसा वातावरण प्रदान करना भी है जहाँ वे फल-फूल सकें और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। लेकिन कुछ लोगों की सामाजिक मनोवृत्ति ऐसी है कि दिव्यांग बच्चे को नकारात्मक भाव से देखते हैं। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने सभी रिसोर्स पर्सन का धन्यवाद किया और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ.आशुतोष, जयपाल, अर्चना, डॉ. सोनिका, सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. मीनू, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रितु, मुख्तयार सिंह, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना, पूजा, अंकित, सतविंदर, नीतू, अनिता सहित सभी प्रतिभागी उपस्थित थे।

RCI Approved CRE Programme : 13 to 15 June 2025

दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ें

दिव्यांगों को जागरूक करते दर्पण संस्था के सदस्य। स्रोत : संस्था

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के सदस्यों द्वारा समुदाय आधारित पुनर्वास के तहत भिवानी रोड स्थित कॉलोनियों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें दिव्यांगों और उनके परिजनों से बातचीत कर पूरी जानकारी ली गई और उसके अनुसार परामर्श दिया गया।

इसमें संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष के निर्देशन में चले कार्यक्रम में 20 दिव्यांग बच्चों की समस्याओं के समाधान का परामर्श दिया गया।

डॉ. आशुतोष ने कहा कि समुदाय के सामूहिक प्रयास से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं। उनकी संस्था बौद्धिक, श्रवण आदि दिव्यांग व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करती है।

जो दिव्यांग विभिन्न कारणों से यहां आकर उनकी सेवाओं का लाभ उठाने में असमर्थ हैं, उनके लिए समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत घर पर जाकर जागरूक किया जाता है।

दर्पण संस्था के सदस्य अर्चना, सोनिका, विशेष शिक्षक राज रानी, मीनू शर्मा, भारती और विद्यार्थियों ने भिवानी रोड स्थित विकास नगर, बूढ़ा बाबा बस्ती कॉलोनियों में समुदाय आधारित पुनर्वास के तहत अभियान चलाया।

इस दौरान सोसाइटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, रितु, मुख्तयार सिंह, प्रमोद, सुनैना, पूजा, अंकित, सतविंदर, नीतू और अनीता भी मौजूद रहे।

Date : 28.06.2025

भिवानी रोड पर स्थित कॉलोनियों में चलाया समुदाय आधारित जागरूकता अभियान

जींद, 28 जून (ललित) : समुदाय के सामूहिक प्रयासों से दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं। दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के सदस्यों द्वारा समुदाय आधारित पुनर्वास के तहत भिवानी रोड स्थित कॉलोनियों में जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें दिव्यांगों और उनके परिजनों से बातचीत कर पूरी जानकारी ली गई और उसके अनुसार परामर्श दिया गया। दर्पण संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष के निर्देशन में चले इस कार्यक्रम में 20 दिव्यांग बच्चों की समस्याओं के समाधान का परामर्श दिया गया।

डॉ. आशुतोष ने कहा कि हमारी संस्था बौद्धिक, श्रवण आदि दिव्यांग व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएं प्रदान करती है। लेकिन जो दिव्यांग विभिन्न कारणों से यहां आकर हमारी सेवाओं का लाभ उठाने में असमर्थ हैं। उनके लिए समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत घर पर जाकर जागरूक किया जाता है। दर्पण संस्था के सदस्यों अर्चना, सोनिका, विशेष शिक्षक राज रानी, मीनू शर्मा, भारती और विद्यार्थियों ने भिवानी रोड स्थित विकास नगर, बूढ़ा बाबा बस्ती आदि कॉलोनियों में समुदाय आधारित पुनर्वास के तहत अभियान चलाया जिसमें 20 दिव्यांग बच्चों के परिजनों को जागरूक किया गया।

दिव्यांगों को मिलेंगे सहायक उपकरण, जांच के बाद हुआ पंजीकरण

शिविर में दिव्यांगों के प्रमाण पत्रों की जांच करते विशेषज्ञ।

जींद, 13 अगस्त (ललित) : भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सैंटर में बुधवार को दिव्यांगों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए पंजीकरण किया गया।

दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित दिव्यांग जांच एवं पंजीकरण शिविर में विशेषज्ञों ने 50 से ज्यादा दिव्यांगों के प्रमाण पत्रों की जांच की। इसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. आशुतोष ने किया।

दर्पण संस्था के निदेशक डॉ. आशुतोष ने बताया कि दिव्यांगों के दस्तावेजों के मूल्यांकन के बाद आलिम्को कंपनी की टीम द्वारा उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, सी.पी. चेयर आदि उपलब्ध कराने के लिए दिव्यांगों का पंजीकरण किया है।

डॉ. राजेश कुमार और उनकी टीम ने जांच दौरान कुछ दिव्यांगों के अधूरे प्रमाण पत्रों के कारण आवेदन रद्द किए। कुछ दिव्यांगों ने बैटरी की व्हीलचेयर की बजाय स्कूटी देने की मांग की। वहीं, शिविर दौरान ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. वरुण गर्ग, डॉ. आर्यन अग्रवाल ने श्रवण बाधित, वाणी दोष वाले दिव्यांग बच्चों की विभिन्न टैस्टों के माध्यम से जांच की और उन्हें समाधान बताया।

इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, अर्चना, सहायक प्रोफैसर डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. मीनू, लैक्चरर दीप्ति, अमित त्यागी आदि उपस्थित थे।

दिव्यांगों को उपकरण देने के लिए किया पंजीकरण

शिविर मे जांच करते सोसायटी के सदस्य। सौ. सोसायटी

जासं ● जींद : भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहेबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर मे बुधवार को दिव्यांगो को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए पंजीकरण किया गया। इस दौरान 50 से ज्यादा दिव्यांगों के प्रमाण पत्रों की जांच की। इसका शुभारंभ संस्थान के निदेशक डा. आशुतोष ने किया। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों के दस्तावेजों के मूल्यांकन के बाद उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, सीपी चेयर उपलब्ध कराने के लिए पंजीकरण किया है। इस दौरान डा. राजेश्वर, जयपाल, अर्चना, डा. नरेंद्र सिंह, डा. मीनू, दीप्ति, अमित त्यागी, रितु, मुख्तयार सिंह मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों को मिलेंगे सहायक उपकरण

शिविर में दिव्यांगों के प्रमाण पत्रों की जांच करते विशेषज्ञ। स्रोत : संस्थान

जींद। भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी की तरफ से बुधवार को दिव्यांग जांच व पंजीकरण शिविर का आयोजन किया। इस दौरान सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए दिव्यांगों का पंजीकरण किया। उसके बाद विशेषज्ञों ने 50 से ज्यादा दिव्यांगों के प्रमाण पत्रों की जांच की निदेशक डॉ. आशुतोष ने बताया कि टीम ने उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण जैसे श्रवण यंत्र, सीपी चेयर आदि उपलब्ध कराने के लिए दिव्यांगों का पंजीकरण किया है। इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, अर्चना, सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. मीनू, लेक्चरर दीप्ति, अमित त्यागी, मीनू शर्मा, रितु, मुख्तयार सिंह, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना, अनिता मौजूद रही। संवाद

Date : 13.08.2025

Date :

23-09-2025

हमारे समाज की पहचान और संस्कृति का हिस्सा है सांकेतिक भाषा : डॉ. अमर सेन

रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सृजन में भी महत्वपूर्ण

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। सांकेतिक भाषा संचार का माध्यम ही नहीं बल्कि समाज की पहचान और संस्कृति का हिस्सा है।

ये भाषा सबको एकजुट करती है। अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर मंगलवार को अभिभावकों को जागरूक करने के लिए दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी की ओर से ऑनलाइन वेबनार का आयोजन किया गया।

300 प्रकार की सांकेतिक भाषाएं हैं

इसमें सांकेतिक भाषा की जरूरत और महत्व के बारे में बताया। मुख्य वक्ता ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. अमर सेन चौधरी ने कहा कि सुनने की क्षमता से वंचित या कमजोर वाले व्यक्ति को जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है।

डॉ. आशुतोष ने कहा कि साल 2050 तक बधिरों की संख्या सात करोड़ से ज्यादा हो जाएगी

सांकेतिक भाषा के द्वारा ही इनका पुनर्वास संभव है। डॉ. अमर सेन ने कहा कि बोली जाने वाली भाषा की तरह, सांकेतिक भाषाएं भी अलग-अलग समूहों के लोगों के आपस में बातचीत करने से स्वाभाविक रूप से विकसित हुईं। इसलिए इसके कई प्रकार हैं।

आज दुनिया भर में लगभग 138 से 300 अलग-अलग प्रकार की सांकेतिक भाषाएं इस्तेमाल की जाती हैं। संस्थान के कोर्स को ऑर्डिनेटर अमित ने कहा कि सांकेतिक भाषा न केवल लोगों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है बल्कि सुनने में अक्षम व्यक्तियों के लिए रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सृजन में भी महत्वपूर्ण है।

इस वर्ष सांकेतिक भाषा दिवस का विषय साइन लैंग्वेज यूनाइट अस है। यानि सांकेतिक भाषा हमें एकजुट करती है। डॉ. आशुतोष ने कहा कि साल 2050 तक बधिरों की संख्या सात करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। यानि हर दस में से एक व्यक्ति के साथ सुनने की समस्या होगी।

इसीलिए यह बहुत जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोग सांकेतिक भाषा को समझें क्योंकि बधिरों के पास बोलने वाली भाषा सीखने का विकल्प नहीं है।

इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, सोनिका, अर्चना, जगदीश, अध्यापिका मीनू शर्मा, मुख्तियार सिंह, अक्षय, दीप्ति, साइकोलॉजिस्ट डॉ.मनीष, फियोथेरेपिस्ट डॉ. सुरेंदर, विशेष शिक्षक राज्यरानी, प्रमोद, भारती, अर्चना, सुनैना, सुमित, संदीप, सतविंदर, नीतू, अनिता मौजूद रही।

सबको एकजुट करती है सांकेतिक भाषा : डॉ. अमर सेन

- रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सृजन में भी महत्वपूर्ण
- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर वैबनार का आयोजन

जींद, 23 सितम्बर (ललित) : सांकेतिक भाषा संचार का माध्यम ही नहीं, बल्कि समाज की पहचान और संस्कृति का हिस्सा है। ये भाषा सबको एकजुट करती है। अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर मंगलवार को पैरेंट्स को जागरूक करने के लिए दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा ऑनलाइन वैबनार का आयोजन किया गया। इसमें सांकेतिक भाषा की जरूरत और महत्व के बारे में बताया।

मुख्य वक्ता ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. अमर सेन चौधरी ने कहा कि सुनने की क्षमता से वंचित या कमजोर वाले व्यक्ति को जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है। सांकेतिक भाषा के द्वारा ही इनका पुनर्वास सम्भव है। उन्होंने कहा कि बोली जाने वाली भाषा की तरह, सांकेतिक भाषाएं भी अलग-अलग समूहों के लोगों के आपस में बातचीत करने से स्वाभाविक रूप से विकसित हुईं, इसलिए इसके कई प्रकार हैं।

आज दुनिया भर में लगभग 138 से 300 अलग-अलग प्रकार की सांकेतिक भाषाएं इस्तेमाल की जाती है। संस्थान के कोर्स को-ऑर्डिनेटर अमित ने कहा कि सांकेतिक भाषा न केवल लोगों को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, बल्कि सुनने में अक्षम व्यक्तियों के लिए रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सृजन में भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष सांकेतिक भाषा दिवस का विषय 'साइन लैंग्वेज यूनाइट अस' है। यानि 'सांकेतिक भाषा हमें एकजुट करती है'। डॉ. आशुतोष ने कहा कि साल 2050 तक बधिरों की संख्या 7 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। यानि हर 10 में से एक व्यक्ति के साथ सुनने की समस्या होगी, इसीलिए यह बहुत जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोग सांकेतिक भाषा को समझें, क्योंकि बधिरों के पास बोलने वाली भाषा सीखने का विकल्प नहीं है।

इस ऑनलाइन वैबनार में दर्पण सोसाइटी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, सोनिका, अर्चना, जगदीश, लैक्चरर मीनू शर्मा, मुख्तियार सिंह, अक्षय, दीप्ति ,साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, फियोथैरेपिस्ट डॉ. सुरेंदर, विशेष शिक्षक राज्यरानी, प्रमोद, भारती, अर्चना, सुनैना, सुमित, संदीप, सतविंदर, नीतू, अनिता सहित सभी दिव्यांग बच्चों के पैरेंट्स मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर वेबनार आयोजित

जगत क्रान्ति ›› जींद

अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी द्वारा ऑनलाइन वेबनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. अमर सेन चौधरी ने सांकेतिक भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल सुनने में अक्षम व्यक्तियों के पुनर्वास का माध्यम है, बल्कि रोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए भी जरूरी है। डॉ. आशुतोष ने बताया कि 2050 तक बधिरों की संख्या सात करोड़ से अधिक हो जाएगी, इसलिए सांकेतिक भाषा को अधिक से अधिक लोगों को सीखना चाहिए। वेबनार में पैरेंट्स, विशेषज्ञ और दर्पण सोसायटी के सदस्य मौजूद थे। इस वर्ष का विषय था 'साइन लैंग्वेज यूनाइट अस' यानी 'सांकेतिक भाषा हमें एकजुट करती है'। इस ऑनलाइन वेबनार में दर्पण सोसायटी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. राजेश्वर, डॉ. आशुतोष, जयपाल, सोनिका, अर्चना, जगदीश, लैक्चरर मीनू शर्मा, मुख्तियार सिंह, अक्षय, दीप्ति साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सुरेंदर, विशेष शिक्षक राज्यरानी, प्रमोद, भारती, अर्चना, सुनैना, सुमित, संदीप, सतविंदर, नीतू, अनिता सहित सभी दिव्यांग बच्चों के पैरेंट्स मौजूद रहे।

RCI Approved

CRE Programme:

03 to 05 October 2025

दिव्यांगों को प्रोत्साहित करें : डॉ. राजवीर

भारतीय पुनर्वास परिषद् के जोनल लेवल शिक्षा कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

सीआरई कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. राजवीर सिंह। स्रोत : संस्थान

जींद। बौद्धिक अक्षमताओं वाले वयस्कों की बदलती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाएं। उनकी मदद करके आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना चाहिए।

उनमें चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों का खतरा अधिक होता है। ये बात राज्य पुनर्वास, प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, रोहतक के सहायक प्रो. एवं विशेषज्ञ डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने भिवानी रोड पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में भारतीय पुर्नवास परिषद् नई दिल्ली की ओर से आयोजित बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के वयस्कता और पारिवारिक मुद्दे विषयक तीन दिवसीय जोनल लेवल सतत् पुर्नवास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

निदेशक डॉ. आशुतोष ने मुख्य अतिथि डॉ. राजवीर सिंह का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में बौद्धिक अक्षमता पीड़ित व्यक्तियों के जीवन के वयस्कता संबंधित पहलुओं और पारिवारिक समर्थन की भूमिका आदि पर मंथन होगा।

इसमें कई प्रदेशों से प्रतिभागी शामिल होंगे। विशेषज्ञ डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि बौद्धिक अक्षमता दिव्यांग वयस्क को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनके लिए आवश्यक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, सामाजिक अलगाव और देखभाल करने वालों पर बोझ आदि की मुख्य चिंताए हैं।

रिसोर्स पर्सन डॉ. बलराज, मीनू शर्मा आदि ने कहा कि बौद्धिक अक्षमता और चुनौतीपूर्ण व्यवहार वाले वयस्कों की देखभाल एक दोहरी वास्तविकता को दर्शाती है। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, विशेष शिक्षक भारती, प्रमोद, सुनैना मौजूद रहे।

दिव्यांगों की आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करें : डॉ. राजवीर

■ भारतीय पुनर्वास परिषद के जोनल लेवल सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. राजवीर सिंह और उपस्थित प्रतिभागी।

जींद, 3 अक्तूबर (ललित): बौद्धिक अक्षमताओं वाले वयस्कों की बदलती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाएं। उनकी मदद कर आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना चाहिए। बौद्धिक अक्षमताओं वाले वयस्कों में चिंता और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों का खतरा अधिक होता है। ये बात राज्य पुनर्वास, प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, रोहतक के सहायक प्रोफैसर एवं विशेषज्ञ डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने भिवानी रोड पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सैंटर में शुक्रवार को भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के व्यस्कता और पारिवारिक मुद्दे विषयक 3 दिवसीय जोनल लेवल सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने मुख्यातिथि डॉ. राजवीर सिंह का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में बौद्धिक अक्षमता पीड़ित व्यक्तियों के जीवन के व्यस्कता संबंधित पहलुओं और पारिवारिक समर्थन की भूमिका आदि पर मंथन होगा। इसमें कई प्रदेशों से प्रतिभागी शामिल होंगे।

विशेषज्ञ डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि बौद्धिक अक्षमता दिव्यांग वयस्क को कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनके लिए आवश्यक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच, सामाजिक अलगाव और देखभाल करने वालों पर बोझ आदि की मुख्य चिंताएं हैं।

रिसोर्स पर्सन डॉ. बलराज, मीनू शर्मा आदि ने कहा कि बौद्धिक अक्षमता और चुनौतीपूर्ण व्यवहार वाले वयस्कों की देखभाल एक दोहरी वास्तविकता को दर्शाती है। डॉ. आशुतोष ने सभी रिसोर्स पर्सन का धन्यवाद किया। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, अर्चना, डॉ. आशुतोष, को-ऑर्डिनेटर अमित, सहायक प्रोफैसर डॉ. नरेंद्र सिंह, लैक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतू, मुख्तियार सिंह, ऑडियोलॉजिस्ट वरुण गर्ग आदि उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 06-10-2025

RCI Approved CRE Programme: 03 to 05 October 2025

भारतीय पुनर्वास परिषद के जोनल लेवल सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम

'दिव्यांगों को जीवन कौशल सिखाने को अच्छी नीति बनें'

भास्कर न्यूज | जींद

समाज में बौद्धिक अक्षमता के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने और समावेशन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उनको स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए आवश्यक जीवन कौशल सिखाने के लिए बेहतर नीतियां बनानी होंगी। यह बात डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कही। रविवार को भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहेबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में आयोजित 'बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के वयस्कता और पारिवारिक मुद्दे' विषय पर तीन दिवसीय जोनल लेवल सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम हुआ। इसमें दिव्यांग के जीवन के वयस्कता संबंधित पारिवारिक व सामाजिक परिस्थितियों पर मंथन हुआ, जिसमें कई प्रदेशों से प्रतिभागी शामिल हुए।

जींद. आरसीआई के तीन दिवसीय सीआरई कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए।

रिसोर्स पर्सन एवं विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि बौद्धिक अक्षमता वाले लोगों के सामने दैनिक जीवन में चुनौतियां हैं। उनको अपनी स्थिति की प्रकृति के कारण सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है। संवाद करने, सामाजिक संकेतों को समझने और संबंध बनाने में कठिनाई के कारण सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी सीमित हो सकती है। परिणामस्वरूप, कई वयस्क अपने साथियों और समुदाय से अलग-थलग महसूस कर सकते हैं। इसके लिए हमें परिवार और दिव्यांग को विशेष मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध करानी चाहिए।

रिसोर्स पर्सन डॉ. तरुण नेगी, अक्षय शर्मा ने कहा कि परिवार के सदस्यों, खासकर माता-पिता पर आजीवन देखभाल की जिम्मेदारी आ जाती है, जिससे वे शारीरिक और भावनात्मक रूप से थक सकते हैं। अपराधबोध, चिंता, अवसाद और अलगाव की भावनाएं परिवार पर हावी हो सकती हैं। वहीं, विशेष सेवाओं, चिकित्सा देखभाल और जीवनशैली की जरूरतों को पूरा करने के लिए परिवारों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। परिवार के भीतर भी संचार की कठिनाइयां और संबंधों में तनाव आ सकता है, खासकर जब परिवार के सदस्य अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हों। इसके अलावा रिसोर्स दीक्षेश, दीप्ति, मनीष आदि ने भी विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, अमित, डॉ. नरेंद्र सिंह, दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतू, मुख्तियार सिंह, वरुण गर्ग, डॉ. मनीष, भारती, प्रमोद, सुनैना, राजबीर, अर्चना, पूजा आदि मौजूद रहे।

दिव्यांगों के जीवन को कौशल सिखाने की बेहतर नीतियां बनें : डॉ. पोखरियाल

भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहेबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में कार्यक्रम संपन्न

आरसीआई के तीन दिवसीय सीआरई के समापन पर प्रतिभागियों के साथ आयोजक व अतिथि। स्रोत : संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। भिवानी रोड स्थित दर्पण रिहेबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के पारिवारिक मुद्दे विषयक तीन दिवसीय जोनल लेवल सतत् पुर्नवास शिक्षा कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुख्यातिथि डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि दिव्यांगों के जीवन को कौशल सिखाने की बेहतर नीतियां बननी चाहिए।

इस कार्यक्रम में दिव्यांग के जीवन के वयस्कता संबंधित पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों पर चर्चा हुई। इसमें कई प्रदेशों से प्रतिभागी शामिल हुए। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। पोखरियाल ने कहा कि बौद्धिक अक्षमता वाले लोगों के सामने दैनिक जीवन में चुनौतियां हैं।

उनको अपनी स्थिति की प्रकृति के कारण सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है। संवाद करने, सामाजिक संकेतों को समझने और संबंध बनाने में कठिनाई के कारण सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी सीमित हो सकती है। कई वयस्क अपने साथियों और समुदाय से अलग महसूस कर सकते हैं। इसके लिए हमें परिवार और दिव्यांग को विशेष मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध करानी चाहिए।

इस अवसर पर दर्पण सोसाइटी के सदस्य डॉ. राजेश्वर, अर्चना, डॉ. आशुतोष, कोऑर्डिनेटर अमित, सहायक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र सिंह, लेक्चरर दीप्ति, मीनू शर्मा, रीतू, मुख्तियार सिंह, वरुण गर्ग आदि मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 07-10-2025

World C P Day

06 October 2025

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में किया जागरूक

सेरेब्रल पाल्सी में कम होता है ब्रेन का विकास, लक्षण दिखाई देने पर तुरंत उपचार शुरू करें : डॉ. ज्योति

भास्कर न्यूज | जींद

सेरेब्रल पाल्सी का अभी कोई उपचार नहीं है। यदि समय पर बीमारी की पहचान हो तो चिकित्सकीय मदद से सिर्फ कुछ राहत मिल सकती है। यह बात साइकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति ने दिव्यांग और उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कही। विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर सोमवार को भिवानी रोड पर स्थित दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

जींद. विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर दिव्यांग और उनके परिजनों को संबोधित करते मुख्य वक्ता।

डॉ. ज्योति ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है जो जन्म से ही बच्चों में देखने को मिलती है। इस बीमारी को विकलांगता की श्रेणी में रखा गया है। इससे पीड़ित बच्चे के ब्रेन का विकास आम बच्चों की तुलना में कम होता है। इसके कारण उनका ब्रेन फंक्शन प्रभावित होता है। ब्रेन के जिस हिस्से पर इसका असर होता है, उस हिस्से से संबंधित अंग भी इसके कारण प्रभावित हो जाते हैं। ऐसे में मरीज का शारीरिक संतुलन भी ठीक से नहीं हो पाता। उन्होंने कहा कि बच्चों में सेरेब्रल पाल्सी के अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ मरीज सेरेब्रल पाल्सी के बावजूद चल-फिर सकते हैं जबकि कुछ को सहारा लेना पड़ता है जबकि कुछ बिल्कुल भी नहीं चल सकते। कुछ लोगों में मिर्गी,अंधता और बहरापन की भी समस्या हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि सेरेब्रल पाल्सी का अटैक किस समय हुआ है और कब से इलाज चल रहा है। इसका शत प्रतिशत इलाज नहीं है लेकिन कुछ हद तक मूवमेंट को सही किया जा सकता है।

इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष कौशिक, मीनू शर्मा, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, अमित, दीप्ति, दीक्षेश, मुख्तयार सिंह, डॉ. वरुण गर्ग, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. प्रवीण, डॉ. मनीष, भारती आदि उपस्थित रहे।

सेरेब्रल पाल्सी का इलाज नहीं : डॉ. ज्योति

सोसाइटी के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में व्याख्यान आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। सेरेब्रल पाल्सी का अभी कोई उपचार नहीं है। यदि समय पर बीमारी की पहचान हो तो चिकित्सकीय मदद से सिर्फ कुछ राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि इसका शत प्रतिशत इलाज नहीं, सिर्फ मूवमेंट में सुधार संभव है। यह बात साइकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति ने दिव्यांग और उनके परिजनों को संबोधित करते हुए कही।

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर सोमवार को भिवानी रोड पर स्थित दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने मुख्य अतिथि साइकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति का स्वागत किया। दिव्यांग बच्चों ने पोस्टर और रंगोली बनाकर लोगों को जागरूक किया।

स्थित दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी में मौजूद दिव्यांग और उनके परिजन। स्रोत : संस्थान

डॉ. ज्योति ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है जो जन्म से ही बच्चों में देखने को मिलती है। इस बीमारी को विकलांगता की श्रेणी में रखा गया है। इससे पीड़ित बच्चे के ब्रेन का विकास आम बच्चों की तुलना में कम होता है।

इसके कारण उनका ब्रेन फंक्शन प्रभावित होता है। ब्रेन के जिस हिस्से पर इसका असर होता है, उस हिस्से से संबंधित अंग भी इसके कारण प्रभावित हो जाते हैं। ऐसे में मरीज का शारीरिक संतुलन भी ठीक से नहीं हो पाता।

उन्होंने कहा कि बच्चों में सेरेब्रल पाल्सी के अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ मरीज सेरेब्रल पाल्सी के बावजूद चल-फिर सकते हैं जबकि कुछ को सहारा लेना पड़ता है जबकि कुछ बिल्कुल भी नहीं चल सकते। कुछ लोगों में मिर्गी, अंधता और बहरापन की भी समस्या हो सकती है।

यह इस बात पर निर्भर करता है कि सेरेब्रल पाल्सी का अटैक किस समय हुआ है और कब से इलाज चल रहा है। इसका शत प्रतिशत इलाज नहीं है लेकिन कुछ हद तक मूवमेंट को सही किया जा सकता है।

विशेष शिक्षा विशेषज्ञ मीनू शर्मा ने कहा कि हमें इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना चाहिए ताकि वे लक्षण दिखाई देने पर बच्चे का जल्दी उपचार शुरू कर सकें। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, राज रानी, प्रमोद, सुनैना, लक्ष्मी नारायण, सतविंदर, नवनीत कौर, अनिता मौजूद रही।

दिव्यांग बच्चों के दीयों से सजी दीपावली

दीवाली पर्व पर दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते लोग।

जींद, 18 अक्तूबर (ललित) : दीपावली पर दिव्यांग बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। शनिवार को भिवानी रोड पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सैंटर और स्पैशल स्कूल में दीवाली मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें मूक-बधिर और अन्य दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की गई।

इसका शुभारंभ संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने किया। इस प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों द्वारा हस्तनिर्मित दीये, रंग-बिरंगी मोमबत्तियां, रुई की बत्तियां, कशीदाकारी से सजे दीवाली गिफ्ट और आकर्षक गिफ्ट पैक प्रदर्शित किए गए। सभी लोगों ने इन बच्चों की मेहनत और हुनर की सराहना करते हुए बड़ी संख्या में उनके उत्पादों की खरीदारी की, जिससे इन बच्चों का आत्मविश्वास और हौसला बढ़ा।

इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, को-ऑर्डीनेटर अमित, लैक्चरर दीप्ति, दीक्षेश, मुख्तयार सिंह, सुभाष चंद्र, ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. वरुण गर्ग, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. परवीन, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, विशेष शिक्षक भारती, राज रानी, प्रमोद, सुनैना, लक्ष्मी नारायण, सतविंदर, नवनीत कौर, सुनीता आदि उपस्थित रहे।

Diwali Mela Exhibition

18 October 2025

दिव्यांग बच्चों के दीयों से सजी दीपावली

दिवाली पर्व पर दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते लोग।

सवेरा न्यूज/नरेंद्र जींद, 18 अक्तूबर : दीपावली पर दिव्यांग बच्चों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। शनिवार को भिवानी रोड पर दर्पण कम्युनिकेशन सोसायटी के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर और स्पेशल स्कूल में दिवाली मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें मूक-बधिर और अन्य दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित आकर्षक उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की गई। इसका शुभारंभ संस्थान निदेशक डॉ. आशुतोष ने किया। इस प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों द्वारा हस्तनिर्मित दीये, रंग-बिरंगी मोमबत्तियां, रुई की बत्तियां, कशीदाकारी से सजे दिवाली गिफ्ट और आकर्षक गिफ्ट पैक प्रदर्शित किए गए। सभी लोगों ने इन बच्चों की मेहनत और हुनर की सराहना करते हुए बड़ी संख्या में उनके उत्पादों की खरीदारी की, जिससे इन बच्चों का आत्मविश्वास और हौसला बढ़ा। इस अवसर पर दर्पण सोसायटी के सदस्य डॉ. आशुतोष कौशिक, डॉ. राजेश्वर, अर्चना, जयपाल, को-ऑर्डिनेटर अमित, लेक्चरर दीप्ति, दीक्षेश, मुख्तयार सिंह, सुभाष चंद्र, ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. वरुण गर्ग, फिजियोथेरपिस्ट डॉ. परवीन, साइकोलॉजिस्ट डॉ. मनीष, विशेष शिक्षक भारती, राज रानी, प्रमोद, सुनैना, लक्ष्मी नारायण, सतविंदर, नवनीत कौर, सुनीता आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों ने बनाए हस्तनिर्मित दीये

दिव्यांग बच्चों की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी को देखते लोग। स्रोत : विद्यालय

जींद। दर्पण कम्युनिकेशन सोसाइटी के दर्पण रिहैबिलिटेशन एंड रिसर्च सेंटर और स्पेशल स्कूल में शनिवार को दिवाली मेला प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। इस दौरान मूक-बधिर और अन्य दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों द्वारा हस्तनिर्मित दीये, रंग-बिरंगी मोमबत्तियां, रुई की बत्तियां, दिवाली गिफ्ट और आकर्षक गिफ्ट पैक प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर दर्पण सोसाइटी के सदस्य डॉ. आशुतोष कौशिक, डॉ राजेश्वर,अर्चना आदि मौजूद रहे। संवाद